पु॰ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-IV

Hindi

Specimen copy

April-May

2021-22

pa# - sUcI

k/m	mah	pa# ka nam	leqk ka nam
Òó	Apæl - m{	pa# -ó- mn kewo l e wa l e bad l	kLpn i s h
		Vyakr` -wa8a, v `R	
		leqn-Anu7ed	
ÒÔ		pa# -Ô- jEsa sval vEsa jvab	Akbr kI khanI
		Vyakr` - s.)a	
		leqn-p5	

pa# : É

mn kewolewalebadl

leqk : kLpn ish

Þpa# ka sar : इस कविता में भिन्न-भिन्न प्रकार के बादलों का चित्रण किया गया है। कवि कहता है कि इन बादलों के बाल झब्बरदार हैं और गाल गुब्बारे जैसा है। कुछ बादल जोकर की तरह तोंद फुलाए हैं कुछ हाथी-से सूँड़ उठाएं हैं। कुछ ऊँटों-से कूबड़ वाले हैं और कुछ बादलों में परियों-से पंख लगे हैं। ये सभी बादल आपस में टकराते रहते हैं और शेरों से मतवाले लगते हैं। कवि आगे कहता है कि कुछ बादल तूफानी हैं, और शैतान हैं। वे अपने थैलों से अचानक पानी बरसा देते हैं। ये बादल कभी किसी का कुछ नहीं सुनते हैं। रह-रहकर छत पर दिख जाते हैं और फिर तुरंत उड़ जाते हैं। कभी-कभी ये बादल जिद पर अड़ जाते हैं और इतना पानी बरसाते हैं कि नदी-नालों में बाढ़ आ जाती है। कवि कहता है कि इन सबके बावजूद ये बादल अच्छे लगते हैं। ये मन के भोले-भाले हैं।

Þki#n xBd:

- zBbr
- !olk
- Aasman
- Baadl
- jokr
- ndI
- piryo.
- ij²I
- xEanI
- 7t

ÞxBda4R

- tod- b!a hAa p8
- kbD-]wra hAa ihSsa
- mtvale mnm0jI
- wleAC7e
- ij²I-h#I

ÞinMniliqt pXno. kevEkilpk pXn ke]%r iliq0|

É-badlo. keiksksman p.q lgehû hE

]%r: ÜkÝ iciDya kesman ÜqÝ pi9yo kesman

ÜgÝ piryo kesman Ü6Ý jokr kesman

Ê-badl ke4Eo. meKya hE

]%r: ÜkÝ pT4r ÜqÝ panI

ÜgÝ 2rAa> Ü6Ý Aos

Ë- badl Kya bjatehE

]%r: ÜkÝ !olk A0r !ol ÜqÝ mdg A0r tbla

ÜgÝ xhna{ A0r tanpUra Ü6Ý istar A0r sargI

Ì-badl kha>ba!_latehE

]%r: ÜkÝ ndI-nalo. me ÜqÝ 6r me

ÜgÝ 7t pr Ü6Ý smud/ me

ÞinMniliqt pXno keAit l6u]%r iliq0|

É-badl zm-zm kr Kya kr rhehE

]%r: badl zm-zm kr kalebadl la rhehE

Ê-badl iks p/kar panI brsa rhehE

]%r: badl irmizm panI brsa rhehE

Ë-badl 7t pr Aane kebad Kya kr rhehE

]%r:badl 7t pr Aane kebad kwI samneAa rhehEto kwI]D_jatehE

ÞinMniliqt pXno kel6u]%r iliq0|

É-badl iks +p ,rg A0r Aakar kehE

]%r: badl jokr-setod fula0 ,}3-sekbUD_vale,ha4I-sesD A0r piryo. sep.q keAakar kehE

Ë-kivta mebadl kI xr seiks p/kar tulna kI g{ hE

]%r: jb badl Aaps me3kraterhtehE,tb xr setulna kI g{ hE

Ì-badlo ko mn kewolewalebadl Kyo. kha gya hE

]%r: kiv nebadl kI v`R krtehu0 kha hEik badl ku7 wI kreikNtu[n sb kebavju0 yebadl bhut AC7ehEyemn kewolewalehE

ÞinMniliqt pXno kedI6R]%r iliq0|-

É-badl ikn-ikn p/ai`yo. kesman p/tIt ho rhehEkivta me]n p/ai`yo. kI Kya-Kya ivxe8ta0>bta{ g{ hE

]%r:badl me jokr,}3, ha4I A0r piryo. ke sman p/tIt ho rhe hE kivta me badl jokr-se tod fula0,}3-se kbUD_vale,ha4I-se sD A0r piryo. se p.q ke Aakar ke hE

Ê-kivta me badl keikn-ikn kayoRka]Llekq ikya gya hE
]%r:kivta me kU badl rh-rh kr xEanI kr rhe hE,kU cpUke se Apne 4ro me panI wr rhe hE,kU !ol bja rhe hE,kU rh-rh ke 7t pr Aa jate hEA0r kU ij²I bn kr ndI-nalo. me ba!_ late hE

Þ shI k4n pr shI A0r glt pr glt ka inxan lga0|

É-badl ke gal glbare jEse hE — Ü shI Ý
Ê-kU badl ibna kbUD_vale }3o jEse idq rhe hE — Ü glt Ý
Ë-badl iksI kI kU wI nhI sunte hE — Ü shI Ý

ÞirKt S4ano. kI pUtRkIij0|

É- badl kwI-kwI ij²I bn jate hE
Ê-badl ka mn wola-wala hE
Ë- kU badl cpUke se Apne 4ro me panI wr rhe hE
Ì- badl ndI-nalo. me ba!_ late hE
Í- badlo. ke piryo. sman p.q lge hu0 hE

Vyakr` ivwag

wa8a,v`RA0r xBd

wa8a vh sa2n hEijske ²ara hm Apne ivcaro. ka Aadan-pdan krte hE
wa8a do p/kar kI hotI hE

wa8a
m0iqk — iliqt

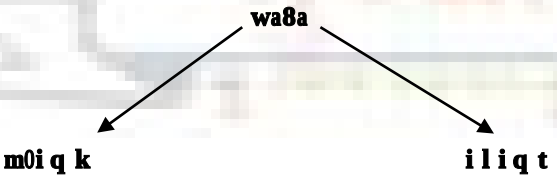

m0iqk wa8a : Apne ivcaro ko bol kr VyKt krna m0iqk wa8a khlata hE

iliqt wa8a : Apne ivcaro ko ilq kr VyKt krna iliqt wa8a khlata hE

**v`R:** bolte smy muh> se iviwNn p/kar kI @vinya>inkltI hE,jb ye@vinya>ilqI jatI hE,to ]se v`Rkhte hE wa8a kI sbse 7o3I {ka{ v`Rkhlata hE

jEse xhr- x\ ß A ß h\ ß A ß r\ ß A

mnga- m\ ß] ß r\ ß A ß g\ ß Aa

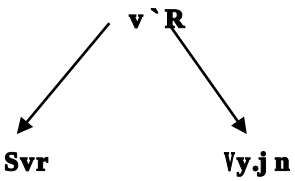

v`R

Svr   Vy.jn

xBd : v`oRke sa4R smU ko xBd khtehE

jEse ndI, k7Aa, gav, xhr, 6r [TyadI|

pyaRvacI xBd	iv lom xBd
Aaq-n5, nyn, c9u	Aaxaáinraxa
sUR sUj, riv, wanu	)anáA)an
p$vI-wUAvnI, 2rtI	]dyáASt
p5-b8a, st, ndn	dyaluáindR
sg2-mhk, qxbUg2	9maádD
[C7a-cah, kamna, Aiwla8a	im5áx5u
ndI-sirta, t3nI	2nIáin2R
pD-t=, v9, padp	bhutá4oDa_

lequn ivwag

Anu7d gI*m 1tu

- ग्रीष्म ऋतु साल का सबसे गर्म मौसम होता है, जिसमें दिन के समय बाहर जाना काफी मुश्किल होता है।
- इस दौरान लोग आमतौर पर बाजार देर शाम या रात में जाते हैं
- बहुत से लोग गर्मियों में सुबह में टहलना पसंद करते हैं।
- इस मौसम में धूल से भरी हुई, शुष्क और गर्म हवा पूरे दिन भर चलती रहती है।
- कभी-कभी लोग अधिक गरमी के कारण हीट-स्ट्रोक, डीहाइड्रेशन पानी की कमी डायरिया, हैजा, और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से भी प्रभावित हो जाते हैं।
- गर्मी के मौसम के दौरान हमें आरामदायक सूती कपड़े पहनने चाहिए।
- हमें गर्मी की ऊष्मा से बचने के लिए ठंडे पदार्थों का सेवन करना चाहिए।
- हमें गरमी में पक्षियों को बचाने के लिए अपनी बॉलकनी या गलियारे) में थोड़ा सा पानी और कुछ चावल या अनाज के दाने रख देने चाहिए।

- गर्मियों के मौसम में ठंडक प्रदान करने वाले संसाधनों का प्रयोग करना चाहिए हालांकि, ग्लोबल वार्मिंग के बुरे प्रभावों को रोकने के लिए बिजली का प्रयोग कम करना चाहिए।
- दिन के दौरान, हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाव के लिए विशेष रुप से, सुबह से शाम तक बाहर नहीं जाना चाहिए।
- अपने आस-पास के क्षेत्रों में अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए और गर्मी को कम करने के लिए उन्हें नियमित रुप से पानी देना चाहिए।
- शरीर में पानी की कमी और लू लगने हीट स्ट्रोक से बचने के लिए बहुत सारा पानी पीना चाहिए।
- गर्मियों की छुट्टियों के दौरान गर्मियों का सामना करने के लिए पहाड़ी क्षेत्रों में जाना चाहिए।

Ppvi%: badl ka ic5 bna0 |

---

pa# : Ê
jEa sval vEa jvab

Þpa# ka sar :- बादशाह अकबर अपने मंत्री बीरबल को बहुत पसंद करता था। इस कारण कुछ दरबारी बीरबल से जलते थे। वे बीरबल को मुसीबत में फंसाने के तरीके सोचते रहते थे। ख्वाजा सरा, जो अकबर के एक खास दरबारी थे, अपनी बुद्धि और विद्या के आगे बीरबल को निरा बालक और मूर्ख समझते थे। एक दिन उन्होंने बीरबल को मूर्ख साबित करने की ठान ली। बहुत सोच-विचार कर कुछ मुश्किल प्रश्न उन्होंने सोचा। उन्हें पूरा भरोसा था कि ऐसे प्रश्नों के उत्तर: बीरबल कभी नहीं दे पाएगा। फिर बादशाह के सामने उनकी ख्वाजा सरा अहमियत बढ़ जाएगी।ख्वाजा सरा सीधे अकबर के पास पहुंचे। उन्हें तीन सवाल देकर उन्होंने कहा कि उनके जवाब बीरबल से पूछे ताकि उसके दिमाग की गहराई का पता चले। ख्वाजा के अनुरोध पर अकबर ने बीरबल को बुलाया और उनसे कहा कि परम ज्ञानी ख्वाजा साहब तुमसे तीन प्रश्न पूछना चाहते हैं। क्या तुम उनके उत्तर: दे सकते हो? बीरबल तुरंत तैयार हो गए।

ख्वाजा का पहला प्रश्न था-संसार का केन्द्र कहाँ है? इसके जवाब में बीरबल ने तुरंत जमीन पर अपनी छड़ी गाड़कर उत्तर: दिया,यही स्थान चारों ओर से दुनिया के बीचोंबीच पड़ता है। ख्वाजा का दूसरा प्रश्न था-आकाश में कितने तारे हैं? बीरबल ने एक भेड़ मँगवाकर कहा कि इस भेड़ के शरीर में जितने बाल हैं, उतने ही तारे आकाश में हैं। बीरबल ने ख्वाजा साहब को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उन्हें इसमें कुछ संदेह दिखाई पड़ता है तो वे बालों को गिनकर तारों की संख्या से तुलना कर सकते हैं। उनका तीसरा सवाल था-संसार की आबादी कितनी है? बीरबल ने तपाक से जवाब दिया-जहाँपनाह संसार की आबादी पल-पल पर घटती-बढ़ती रहती है क्योंकि हरपल लोगों का मरना-जीना लगा ही रहता . है। इसलिए यदि सभी लोगों को एक जगह इकट्ठा किया जाए तभी उनको गिनकर ठीक-ठीक संख्या बताई जा सकती है। ख्वाजा साहब बीरबल के उत्तर से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने बीरबल से कहा कि ऐसे गोलमोल जवाबों से काम नहीं चलेगा। बीरबल ने कहा कि ऐसे सवालों के ऐसे ही जवाब होते हैं। ख्वाजा साहब आगे कुछ नहीं बोले।

Þki#n XBd :-

- **m5I**
- **bu²**
- **miiXkl**
- **mUqR**
- **pXn**
- **ivXvas**

- jhapnah
- AabadI
- s.tü3
- sQya

ÞxBda4R:-

- badxaah - raja
- trIka -]pay
- drbarI - swa ka 0k sdSy
- mUqR - bevkU_
- koixx - pyTn
- 2oqa dena- 7l krna
- ivXvas - wrosa
- jmIn - wUim
- Aakax - nw
- AabadI - jnsQya
- s.tü3 - s.to8

ÞinMniliqt pXno. kevEkilpk pXn ke]%r iliq0|

É-bIrbl ikska psdIda VyiKt 4a ?

]%r: ÜkÝ badxah Akbr ka
ÜqÝ Qvaja sra ka
ÜgÝ swI drbarI ka
Ü6Ý [nme seko{ nhI

Ê-Qvaja sra ka Anmo2 sunkr Akbrneiksebulaya?

]%r: ÜkÝ pmoiht ko
ÜqÝ bIrbl
ÜgÝ s.trI ko
Ü6Ý swI drbairyo ko

Ë- Qvaja sahb kesvalo. kejvab deneke il0 wD_iksnemgva{ 4I?

]%r: ÜkÝ Akbr ne
ÜqÝ Qvaja ne
ÜgÝ mharanI
Ü6Ý rajvE ne

Ì-A.t mebIrbl neiksein+%r kr idya?

]%r: ÜkÝQvaja ko
ÜqÝ Akbr ko
ÜgÝ drbairyo ko
Ü6Ý s.trI ko

ÞinMniliqt pXno keAit l6u]%r iliq0|

É- Qvaja sra k0n 4a?

]%r: Qvaja sra badxah Akbr ka 0k drbarI 4a|

Ê- Qvaja sra nebIrbl ko mUqRsaibt krnekeil0 Kya ikya?

]%r: Qvaja sra nebIrbl ko mUqRsaibt krnekeil0 kuz muiXkl pXn soce|

Ë- Qvaja sra Akbr kepas Kyo. gya 4a?

]%r: Qvaja sra Akbr kepas tIn svalo kejvab pUznegya 4a|

Þ inMniliqt pXno ke l6u]%r iliq0|

É-bIrbl nepXno. ke golmal jvab Kyo. id0 4e?

]%r: bIrbl nepXno. ke golmal jvab [sil0 id0 Kyoik vo Qvaja sra ka 6mD_cn Krna cahta 4a|

Ê-ku7 drbarI bIrbl seKyo. jlte 4e?

]%r: bIrbl kI bu+I keAage bDo.-bDo._ kI wI ku7 nhI cl pata 4a |[sil0 ku7 drbarI bIrbl sejlte 4e|

Ë- Akbr kesamnewÐ Kyo. la{ 4I?

]%r: Akbr kesamnewÐ_Qvaja ko jvab dene keil0 la{ g{ 4I,ik Aakax meiktne tare hEvh wÐ_ kexrIr meijtnebal hE]seign le|

ÞinMniliqt pXno kedI6R]%r iliq0|-

É-Akbr kesamnewÐ_Kyo. la{ g{ 4I?

]%r: Akbr kesamnewÐ [sil0 la{ Kyo. kI bIrbl neQvaja ka dusra pXn ka jvab wÐ_ kI ma5a se]%r idya|[sil0 wÐ_ ko bulvaya gya|

Ê- Qvaja ka Aitm pXn Kya 4a?bIrbl ne]ska Kya]%r idya?

]%r: Qvaja ka Aitm pXn 4a ik s.sar kI AabadI iktnI hE?A0r bIrbl ne]%r idya kI swI logo ko 0k [K¬a ikya ja0 tb]nko ignkr s.sar kI AabadI ka pta lga sktehE|

Þ shI k4n pr shI A0r glt pr glt ka inxan lga0|

É-Qvaja sra ko ivXvas 4a ik bIrbl]skepXno. ka #Ik-#Ik]%r nhI de pa0ga| Ü shI Ý

Ê-bIrbl ne"nklI AKl-bhadur" ka pyog Qvaja sra keil0 ikya 4a| Ü glt Ý

Ë-Qvaja sra netIno. sval bIrbl ko ilqkrbI id0 4e| Ü glt Ý

Ì-bIrbl ke]%ro. seQvaja sra s.tu3 n 4a| Ü shI Ý

ÞirKt S4ano. kI pUitRkIij0|

É-bIrbl kI bu+I kesamnebDe-bDo kI ku7 nhI. cl patI 4I|

Ê-bIrbl nephlepXn ka]%r jmIn pr ApnI 7DI_ gaDkr idya|

Ë-s.sar mehr pl logo. ka mrna-jIna lga rhta hE|

Ì-bIrbl ke]%r sunkr badxah s.tu3 4a|

Í-bIrbl ke jvabo ko glt saibt nhI ikya ja ska|

Vyakr` ivwag

s.)a

s.)a-iksI Vyikt ,p/a`I ,vStu,S4an ,wav Aaid ke nam ko s.)a khte hE|

Þ nIce kuC s.)a xBd id0 g0 hE

Vyiktyo. ke nam	pxupi9yo. ke nam	vStuAo. ke nam	S4ano. ke nam
ibTto	qrgox	botl	ga>v
iksan	6oDa	iktab	mkan
ipta	koyl	krsI a	sDk
2aobI	xer	jUta	qet
DaK3r	gorEya	xIxa	ndI
Naa{	ibLlI	7trI	bgIca

s.)a ke tIn wed hote hE|

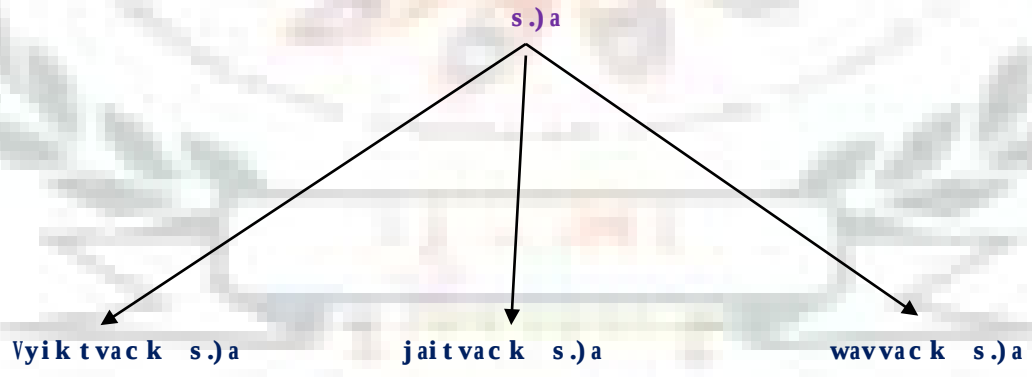

- Vyiktvack s.)a-iksI ivxe8 VyiKt ,vStuA0r S4an ke nam kI jankarI dene vale xBd Vyiktvack s.)a khlate hE|

jEse Da>rajend p/sad wart ke g0rv 4e|
gga 0k piv5 ndI hE|

➢ **jaitvack s.)a-**ijn s.)a xBdo> seiksI jait ivx8 A4va vgRkI jankarI páPt ho]Nhe jaitvack s.)a khtehE

jSe bag me fU iq lehE

xr ip.jDe me hE

➢ **wavvack s.)a-**ijn s.)a xBdo. segù,do8,dxa,AvS4a ,wav Aaid kI jankarI imle,]Nhe wavvack s.)a khtehE

jSe su2Ir ko srdI lg g{ hE

sJJnta 0k mhan gù hE

Sva@yay :inMniliqt vaKyo. ne s.)a A0r]nkep/kar iliq0|

É-vh kl rat ko Aaya 4a| jaitvack s.)a

Ê-ihrn [2r-]2r d0D_rhe 4e| jaitvack s.)a

Ë-ihmaly pvR bhut }ca>hE VyiKtvack s.)a

Ì-Aaj bhut grmI hE wavvack s.)a

Í-hm log Amerika merhtehE VyiKtvack s.)a

Î-sena Aageb!_rhI hE jaitvack s.)a

Ï-l(mIba{ kI vIrta jgt pis sd/2 hE wavvack s.)a

Ð-bIrbl kI ctura{ deq kr Akbr bhut p/sNn hu0| wavvack s.)a

Ñ-sone kI xud/ta kI prq j0hrI hI kr skta hE wavvack s.)a

ÉÒ-muze bhut wUq lgI hE wavvack s.)a

Þlqn ivwag- p5 lqn

p5 ilqneka trIka :

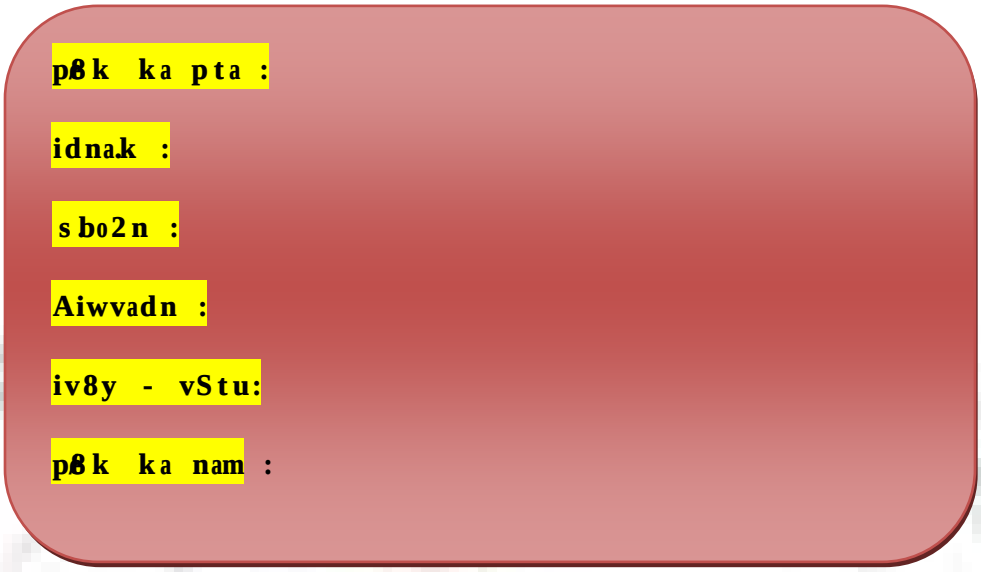

p5 kedo p/kar hotehÆ

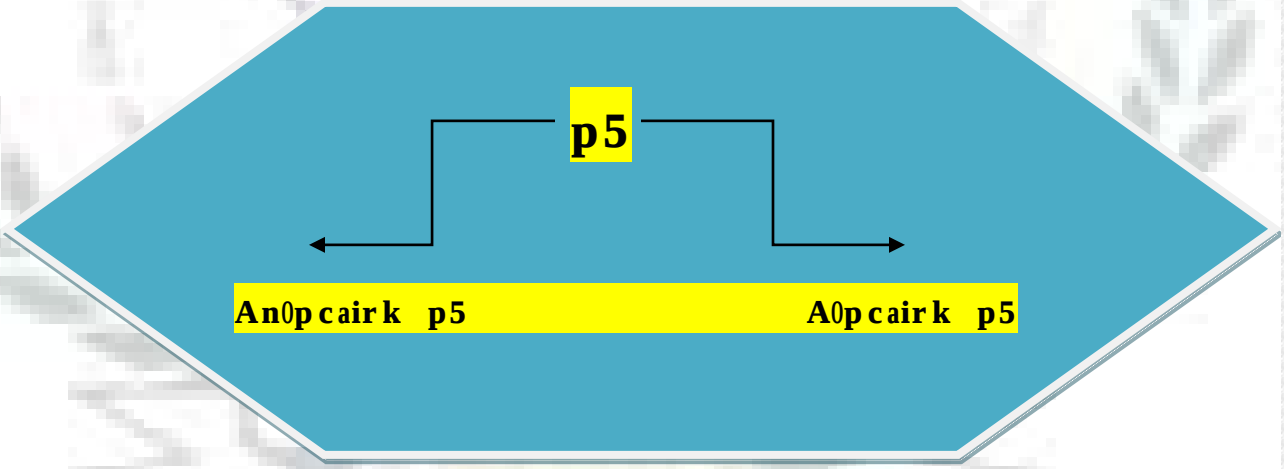

An0pcairk p5 : An0pcairk p5 sbi2yo v im5o ko ilqe jatehÆ

A0pcairk p5 : A0pcairk p5 ko tIn vgoRme ba3a jata hÆ

- pá4Ra - p5
- kayaRyI - p5
- Vyav saiyk - p5

ÞAn0pcairk p5- im5 ko Apne jNmidn pr Aami5t krnehetup5|

ÏÊ, k.kDbag,
vIrp/tap sosay3I,
p3na|
ÊÏ, ApE ,ÊÒÊÉ
ip/y ra6v,

tMhe yad hoga ik Ñ m{ ko mera jNmidn hEhr v8RkI trh [s bar wI mere mata-ipta jNmidn ke Avsr pr pa3IRka Ayojn kr rhe hEmerI haidRk [C7a hEik tm [s pa3IRme xaiml hokr muze p/sNnta p/dan kro|

[s bar kek ka3ne ke sa4- sa4 s@ya sgIt ka wI Aayojn rqa gya hEpa3IRxam ko Î bje se xu hogI to tMhe Apne pirvar ke sa4 Aana hEmE tMhara [.tjar k+ga|

Apne mata-ipta ko mera p/^am khna A0r 7o3I bhn ko Pyar dena|

tMhara im5
sagr

p/ai%:bIrbl ka ic5 bna0 A0r]smerg wre|